रजत जयन्ती - रिखियापीठ

"एक आध्यात्मिक चेतना का उदय और आशा की किरण, मुझे क्षितिज में दिखाई देती है।"

— स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

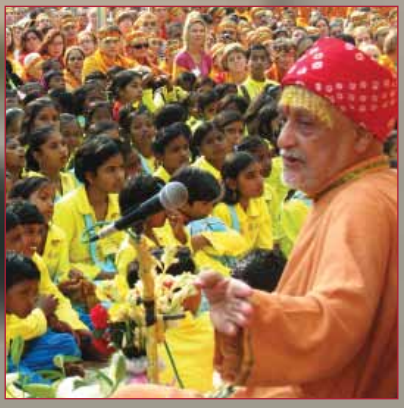

— श्री स्वामीजी के संकल्प की एक प्रस्तुतीकरण —

सेवा प्रेम दान

रजत जयन्ती महोत्सव
– २५ वर्ष –
निमंत्रण

नमो नारायण

श्री स्वामीजी के रिखिया आगमन की **"रजत जयन्ती"** १ सितम्बर २०१४ से २५ दिसम्बर २०१५ तक बड़े हर्ष और उल्लास के साथ रिखियापीठ में मनाई जायेगी। यह किसी विशिष्ट संस्था की रजत जयन्ती नहीं बल्कि उस दिव्य आदेश और प्रेरणा के प्रति श्रद्धान्जली है जो २५ वर्ष पूर्व, श्री स्वामीजी को रिखिया में प्राप्त हुई और जिसके द्वारा यहाँ सदा के लिए सेवा, प्रेम और दान का कार्य प्रारम्भ हुआ।

श्री स्वामीजी का सम्पूर्ण जीवन परोपकार और समर्पण का साक्षात् प्रतिबिम्ब रहा है। उनका सारा जीवन मानवता के उत्थान के लिए पूरी तरह से समर्पित था। २३ सितम्बर १९८९ को जब वे एकान्त और उच्च साधनाओं के लिए रिखिया आये तब उनके मन में परोपकार की तीव्र इच्छा ने मूर्त रूप लिया और शीघ्र ही उसने कल्पनातीत विशाल स्वरूप धारण किया। एक निर्जन, उपेक्षित, विरान गाँव जहाँ जीने के साधारण साधन तक उपलब्ध नहीं थे, आज समृद्धि और सम्पन्नता का केन्द्र बना है जहाँ अनन्त सम्भावनायें खिलते और पनपते दिखायी देती हैं। यह चमत्कार केवल श्री स्वामीजी के संकल्प और उनके अनुग्रह से सम्पन्न हो सका है, जिन्होंने स्वामी शिवानन्द की शिक्षा - सेवा, प्रेम, दान को रिखिया में मूर्त रूप देकर, उसे अपने गुरुदेव को समर्पित किया।

यह **रजत जयन्ती**, पूज्य गुरुदेव के चरणकमलों में सविनय अर्पित एक छोटी सी श्रद्धान्जली है। इसके द्वारा पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा तथा शिक्षाओं को, परमाचार्य स्वामी निरंजनानन्द और पीठाधीश्वरी स्वामी सत्यसंगानन्द की पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन में, जन मानस में वितरित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्री स्वामीजी के संकल्प में जुट जाने के लिये आप सबका स्वागत है। श्री स्वामी जी के शिक्षाओं के माध्यम द्वारा हम यह 'रजत जयन्ती महोत्सव' सभी को समर्पित करते हैं ताकि आशा की यह रजत किरण आप सब के उज्जवल भविष्य को प्रकाशित करें।

नमो नारायण

स्वामी सूर्यप्रकाश

स्वामी सूर्यप्रकाश सरस्वती
संयोजक
रजत जयन्ती

गतिविधियाँ

सितम्बर २०१४ से दिसम्बर २०१५ तक के इस एक वर्षीय महोत्सव में अनेक विविध गतिविधियों का संचालन होगा।

आरोग्य शिविर - हजारों ग्राम वासियों के विभिन्न बीमारियों का अलग-अलग शिविरों से इलाज किया जाएगा।

कला, शिल्प कार्यशाला - कन्या-बटुकों में प्रतिभा तथा रचनात्मकता को बढ़ाया जाएगा।

व्यवसायिक प्रशिक्षण - कन्या-बटुकों को जीवनोपार्जन की कलायें सिखलाकर उन्हें स्वावलंबी और सक्षम नागरिक बनाया जाएगा।

आराधना - आवाहन, हवन, कीर्तन और पूजा द्वारा अनुग्रह की याचना की जायेगी।

आत्मदृष्टि शृंखला - आराधना की इस विशेष प्रस्तुति में आध्यात्मिक विषयों पर स्वामी निरंजनानन्द, स्वामी सत्यसंगानन्द और अन्य आचार्यों के रिखियापीठ की शिक्षाओं पर सत्संग होंगे।

श्री स्वामीजी के रिखियापीठ को दिये तीन मूल तत्व - सेवा, प्रेम, दान को मापदण्ड मानकर उपरोक्त गतिविधियों को संचालित कर अक्टूबर २०१५ से योग पूर्णिमा दिसम्बर २०१५ के दौरान विशेष पूर्णाहुति कार्यक्रम से इस महान आयोजन को सम्पन्न किया जाएगा।

सेवा

श्री स्वामीजी ने कहा था कि 'अपने गरीबों को भी वही स्वास्थ्य सुविधायें मिलनी चाहिए जो एक अमीर को मिलती है।'

वर्ष १९९० से रिखिया और आस-पास के ग्रामीणों को शिवानन्द दातव्य चिकित्सालय द्वारा प्राथमिक आरोग्य सेवायें मिलती आ रही हैं और अब हर महीने सभी वैद्यकीय और शल्य चिकित्सा के विशेषज्ञों के विविध शिविरों को आयोजित करके यहाँ के असहाय ग्रामीणों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी।

नेत्र, स्त्री रोग, गर्भवती महिला, बाल रोग, शल्य चिकित्सा, अस्थि-रोग, वृद्धावस्था के रोग, मधुमेह, हृदय रोग, विकलांगों के लिए सुधारक प्लास्टिक शल्य चिकित्सा, विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिविर इत्यादि अनेक शिविरों का आयोजन किया गया है।

प्रेम

श्री स्वामीजी रिखिया के कन्या-बटुकों के हृदय में निवास करते हैं। अनेक माध्यमों से वे उनके उत्थान के लिए, सदैव प्रयत्नशील रहे। इन उपेक्षित बच्चों को कन्या व बटुक का स्थान देकर श्री स्वामीजी ने उन्हें देवी के अनुग्रह का माध्यम बनाकर उनमें अद्भुत परिवर्तन लाकर, चेतना के विकास में दीक्षित किया। इनके लिए अलग अलग कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है जिनमें खेल, आत्मसंरक्षण, कला-शिल्प, नृत्य (भारतीय और पाश्चात्य दोनों) इत्यादि प्रमुख रहेंगे। इन कार्यशालाओं से कन्या-बटुकों की प्रतिभा और रचनात्मकता में विकास होगा।

रिखिया पंचायत के युवा ग्रेजुएट कन्या-बटुक को व्यवसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें स्पोकन इंग्लिश, कम्प्युटर, ऑटोकॉड, अकाउण्ट्स, बिजली, पुलिस, रसोई तथा केटरींग, ब्युटीशियन, मोबाईल तथा इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग, सिलाई तथा फेब्रिक डिजाईन जैसे अनेक व्यवसायिक प्रशिक्षण रिखिया के युवा मण्डली को दिये जायेंगे।

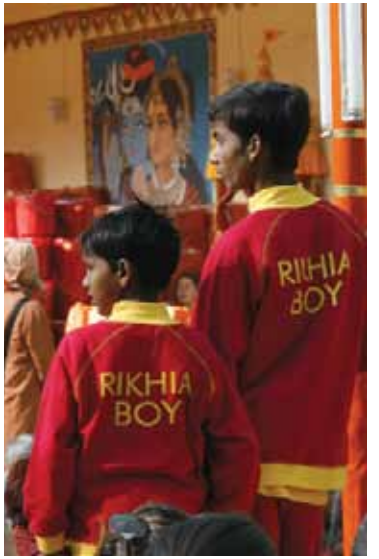

दान

विगत दो दशकों से प्रचुरता से 'देना' रिखियापीठ का आधार स्तम्भ रहा है। **रजत जयन्ती** के दौरान आध्यात्मिक जिज्ञासुओं के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। हर महीने योग और अध्यात्म पर विशिष्ट विषयों के द्वारा समाज में 'सेवा, प्रेम, दान' की आवश्यकता को समझाया जायेगा।

रजत जयन्ती द्वारा पहले से चलते आ रहे सेवा कार्य जैसे - रिखिया के वयोवृद्धों के मासिक पेन्शन, विधवाओं का दैनिक मन्त्र जाप, पड़ोसी ग्रामीणों को प्रसाद वितरण तथा प्राचीन यौगिक आराधनाओं पर भी जोर दिया जायेगा।

साथ ही हमारा लक्ष्य है कि श्री स्वामीजी के अनमोल वचनों की अंग्रेजी और हिंदी में नयी एवं पुन:प्रकाशित डीवीडी, ऑडियो सीडी को तैयार कर उसे इस महोत्सव के पूर्णाहुति में प्रसाद स्वरूप प्रस्तुत करें।

रजत जयन्ती महोत्सव के शुभ अवसर पर सेवा, प्रेम, दान का सुन्दर समन्वय - 'अन्नपूर्णा क्षेत्रम् कन्या किचन'- का भी विस्तार किया जाएगा जिससे श्री स्वामीजी के अपने पूरे रिखिया पंचायत परिवार को प्रतिदिन भोजन कराने के संकल्प को फलीभूत किया जाएगा।

मैं अपनी सेवा कैसे अर्पण करूँ ?

रजत जयन्ती में सहायता करने के लिए आपका स्वागत है। आप इस प्रकार अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं -

- अपने ज्ञान तथा प्रवीणता को रिखियापीठ में प्रदान करके।
- किसी गतिविधि के लिए आंशिक या पूर्णत: वैत्तिक सहायता प्रदान करके।
- आश्रम जीवन में भाग लेकर।

१. स्वास्थ्य शिविर

विशेषज्ञ स्वास्थ्य सत्रों द्वारा उच्च कोटि का स्वास्थ्य लाभ श्री स्वामीजी के पड़ोसियों को दिया जायेगा। उसमें आप निम्नलिखित विषयों पर सहायता कर सकते हैं।

- नेत्र रोग, स्त्री रोग, बाल-रोग, मधुमेह, हृदय-रोग, चर्म रोग, आन्तरिक वैद्य, अस्थी रोग, शल्य चिकित्सा, मूत्र रोग, दन्त रोग, पॅथोलोजी, रेडियोलोजी इत्यादि।
- डॉक्टर, नर्स और अन्य वैद्यकीय कला संलग्न व्यक्ति अपनी सेवा दे सकते हैं।
- शिविर की सम्पूर्ण तैयारी में, उसकी व्यवस्था में सेवा दे सकते हैं।
- सत्र का पूरा कार्यभार उठाकर।
- दवाई, गॉझ, रुई, सुई इत्यादि, अन्य वैद्यकीय उपकरण, परिक्षण टेबल, परीक्षण उपकरण, विकलांग उपकरण इत्यादि देकर।

२. कार्यशाला

बच्चों के सृजनशील कार्यशालाओं में अपनी ज्ञान/प्रवीणता देकर, कार्यशाला का आयोजन करके, समान/उपकरण देकर या केवल आकर निम्नलिखित कार्यशलाओं में सहायता कर सकते हैं

- पारम्परिक एवं आधुनिक नृत्य प्रशिक्षण तथा उनके पोशाक और आभूषण।
- कला और शिल्प के समान - रंग, ब्रश, क्रयोन, पेंसिल, रंगीन कागज, स्टीकर, ग्लू, कैंची और अन्य सामग्री।
- खेल प्रशिक्षण जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, कराटे और अन्य।
- अंग्रेजी प्रशिक्षण के लिए समान जैसे किताबें, शब्दकोश और अन्य सामग्री।
- कम्प्युटर प्रशिक्षण, बच्चों के सॉफ्टवेयर।
- बच्चों के लिए योग प्रशिक्षण।

३. व्यवसायिक प्रशिक्षण

आप अपनी प्रवीणता का उपयोग कर रिखिया पंचायत के युवा पिढ़ी को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने में और उसके लिए लगने वाली सामग्री में निम्नलिखित क्षेत्रों में सहायता कर सकते हैं

- विद्युत प्रशिक्षण, मोबाईल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रीपेयर, आवश्यक सामग्री जैसे स्क्रू ड्रायवर, प्लायर, बिजली तार, मीटर रीडर तथा अन्य उपयोगी उपकरण।
- कम्प्युटर प्रशिक्षण, लॉपटॉप, डेस्क टॉप, आवश्यक सॉफ्टवेयर, ऑफिस, फोटोशॉप, वेब डिजाईन और अन्य।
- सिलाई प्रशिक्षण के लिए सिलाई मशीन, अलग प्रकार के कपड़ों के थान, धागा, सुई, पिन।
- पाकशास्त्र तथा केटरींग प्रशिक्षण और उसके लिए लगने वाले बर्तन, ट्रे, परोसने के पात्र।
- कार्यालय में आवश्यक सेक्रेटरी ट्रेनिंग तथा कार्यालय में आवश्यक अन्य गुणों का प्रशिक्षण।
- स्पोकन इंग्लिश के लिए पुस्तकें और अन्य सामग्री।
- ब्युटीशियन प्रशिक्षण और शृंगार सामग्री जैसे मेक-अप किट, आईना, बालों की पिन, नाखुन का पॉलिश और अन्य।

४. अन्नपूर्णा क्षेत्रम् कन्या किचन

दैनिक तथा नैमित्तिक भोज में आप इस प्रकार सहायता दे सकते हैं :-

- भोज की आर्थिक/अन्य जिम्मेदारी उठाकर - दैनिक, प्रासंगिक, मासिक।
- भोज हेतु सामाग्री तथा बाकी तैयारी देकर।
- व्यक्तिगत सेवा, व्यवस्था तथा अनुशासन सहायता।

५. प्रकाशन तथा मल्टिमीडिया

डीवीडी, ऑडियो सीडी और अन्य नये और पुन: प्रकाशन करने हेतु, निम्नलिखित क्षेत्र में अंग्रेजी या हिंदी में प्रवीणता रखने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है

- डेटा एन्ट्री।
- भाषान्तरण (अंग्रेजी और हिंदी के बीच)।
- संपादन।
- डेस्क टॉप प्रकाशन इनडिजाईन, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर इत्यादि से।
- वीडियो एडिटिंग सोनी वीगास, फायनल कटप्रो इत्यादि से
- ऑडियो एडिटिंग साउण्ड फोज, लॉजिक इत्यादि से

अधिक जानकारी के लिए हमारी website www.rikhiapeeth.in और blog www.rikhipeeth.net पर सम्पर्क करें। शंका समाधान के लिए हमारे ई-मेल rikhiapeeth@gmail.com पर सम्पर्क करने में संकोच न कीजिए।

रजत जयन्ती महोत्सव
कार्यक्रम पंचांग

२०१४

सितम्बर

आराधना	1	रजत जयन्ती आरम्भ
	1-8	श्रीमद् भागवत् कथा एवं स्वामी शिवानन्द जन्मोत्सव
	12	श्री स्वामीजी का संन्यास दिवस
	23	रिखिया आगमन
	25-3 अक्टूबर	आश्विन नवरात्रि और दीक्षा
	25-2 अक्टूबर	आत्मदृष्टि शृंखला : आत्मभाव
सत्र	1-8	क्रिया योग और तत्त्व शुद्धि (हिन्दी)
स्वास्थ्य शिविर	1-8	नेत्र रोग शिविर
व्यवसायिक	1-27	स्पोकन इंग्लिश
कला व शिल्प	1-27	स्पोकन इंग्लिश : परिचय

अक्टूबर

आराधना	23	दीपावली
	19-23	आत्मदृष्टि शृंखला : सेवा, प्रेम, दान एवं आत्मशुद्धि
सत्र	6 -16	चक्र साधना (अंग्रेजी)
	19-25	प्राण विद्या (अंग्रेजी)
स्वास्थ्य शिविर	10-14	गर्भवती महिला, स्त्री रोग, बाल रोग
व्यवसायिक	1-27	पुलिस प्रशिक्षण

नवम्बर

आराधना	23-27	शतचण्डी महायज्ञ/सीता कल्याणम्
	23-26	आत्मदृष्टि शृंखला : आवाहन एवं आराधना
सत्र	29-5 दिसम्बर	क्रिया योग और तत्त्व शुद्धि (अंग्रेजी)
कला व शिल्प	8-21	भारतीय पारंपरिक नृत्य

दिसम्बर

आराधना	2-6	योग पूर्णिमा
	2-5	आत्मदृष्टि शृंखला : भक्ति योग
	19-25	महा रुद्री
स्वास्थ्य शिविर	19-23	मधुमेह, हृदय रोग, चर्म रोग
व्यवसायिक	15-28	सिलाई तथा फॅब्रिक डिजाईन

२०१५

जनवरी

आराधना	5-13	श्री विद्या पूजा
	5-12	आत्मदृष्टि शृंखला : मन्त्र शक्ति
सत्र	1-15	योग साधना एवं आश्रम जीवन
व्यवसायिक	15-28	बिजली प्रशिक्षण

फरवरी

आराधना	15-17	आत्मदृष्टि शृंखला : शिवतत्व
	16-17	शिवरात्रि योग साधना
सत्र	1-15 मार्च	योग शिक्षक प्रशिक्षण (अंग्रेजी)
स्वास्थ्य शिविर	11-15	अस्थि रोग, प्लास्टिक व सामान्य शल्य चिकित्सा
कला व शिल्प	7-28	खेल-कूद, कराटे

मार्च

आराधना	21-28	चैत्र नवरात्रि साधना
	22-27	आत्मदृष्टि शृंखला : मर्यादा पुरुषोत्तम
कला व शिल्प	9-15	विविधि कला एवं शिल्प
व्यवसायिक	2-15	सौन्दर्य-शृंगार प्रशिक्षण

अप्रैल

आराधना	14-16	आत्मदृष्टि शृंखला : शक्ति तत्व
	19-21	अक्षय तृतीया : श्री विद्या पूजा
सत्र	14-16	सौन्दर्य लहरी समागम (अंग्रेजी)
स्वास्थ्य शिविर	8-12	दन्त चिकित्सा व सम्पूर्ण स्वास्थ्य चिकित्सा
व्यवसायिक	1-15	आई.टी. प्रशिक्षण

मई

सत्र	25-6 जून	बाल योग शिविर (बच्चों के लिए योग)
कला व शिल्प	25-6 जून	बच्चों के लिए योग

जून

स्वास्थ्य शिविर	14-21	बाल रोग व स्कूल हेल्थ
व्यवसायिक	8-21	इलेक्ट्रॉनिक व मोबाईल रीपेयरिंग प्रशिक्षण

जुलाई

आराधना	27–30	**आत्मदृष्टि शृंखला : शिष्यत्व**
	31	गुरु पूर्णिमा
कला व शिल्प	15–28	कम्प्युटर : परिचय

अगस्त

आराधना	26–29	परिचय राधा कृष्ण झूलन
	26–28	**आत्मदृष्टि शृंखला : कर्म योग और कर्म योगी**
स्वास्थ्य शिविर	14–18	वृद्धों की चिकित्सा, अस्थि रोग व सामान्य शल्य चिकित्सा
व्यवसायिक	14–29	पाक शास्त्र प्रशिक्षण तथा केटरिंग (भारतीय व कॉंटिनेन्टल परम्परागत)

सितम्बर

आराधना	1–8	श्रीमद् भागवत् कथा एवं स्वामी शिवानन्द जन्मोत्सव
	12	श्री स्वामीजी का संन्यास दिवस
	23	रिखिया आगमन
स्वास्थ्य शिविर	1–8	नेत्र रोग शिविर
कला व शिल्प	15–30	आधुनिक नृत्य शैली प्रशिक्षण

रजत जयन्ती पूर्णाहुति (२०१५)

अक्टूबर

आराधना	14–23	आश्विन नवरात्रि साधना
सत्र	24–4 नवम्बर	चक्र साधना (अंग्रेजी)

नवम्बर

सत्र	7–13	प्राण विद्या (अंग्रेजी)

दिसम्बर

आराधना	12–16	शतचण्डी महायज्ञ/सीता कल्याणम्
	21–25	योग पूर्णिमा तथा रजत जयन्ती समाप्ति

*गुरु भक्ति योग : प्रत्येक महीने के ५,६ तारीख को

रजत जयन्ती पूर्णाहुति के अन्तर्गत अक्टूबर से दिसम्बर २०१५ तक विशेष कार्यक्रमों का आयोजन होगा। ताजी जानकारी के लिए हमारे website तथा blog को देखते रहिए।

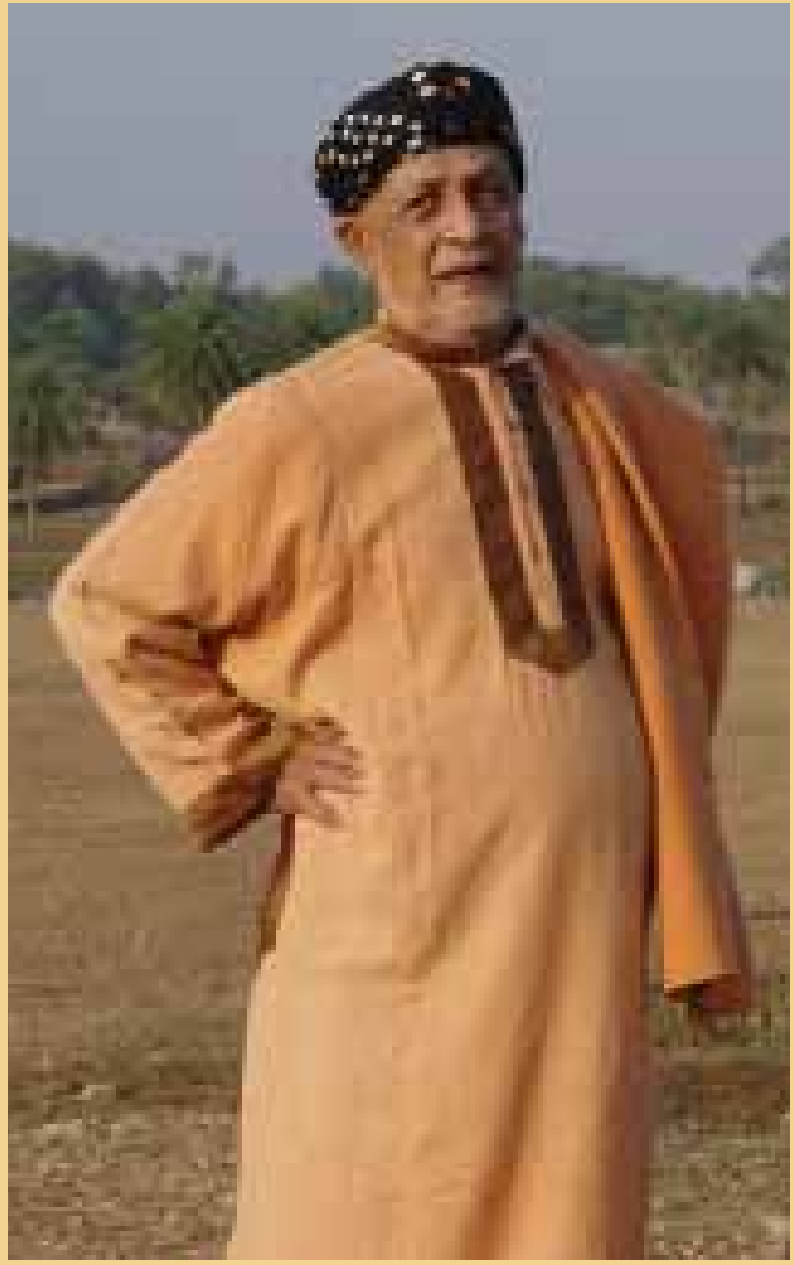

"यह मेरी परीकल्पना है कि रिखिया में भगवत् आदेश की पूर्ति अवश्य होगी : 'हरा रिखिया, भरा रिखिया'."

– स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

दान
प्रेम
सेवा
– २५ साल का एक उत्सव –